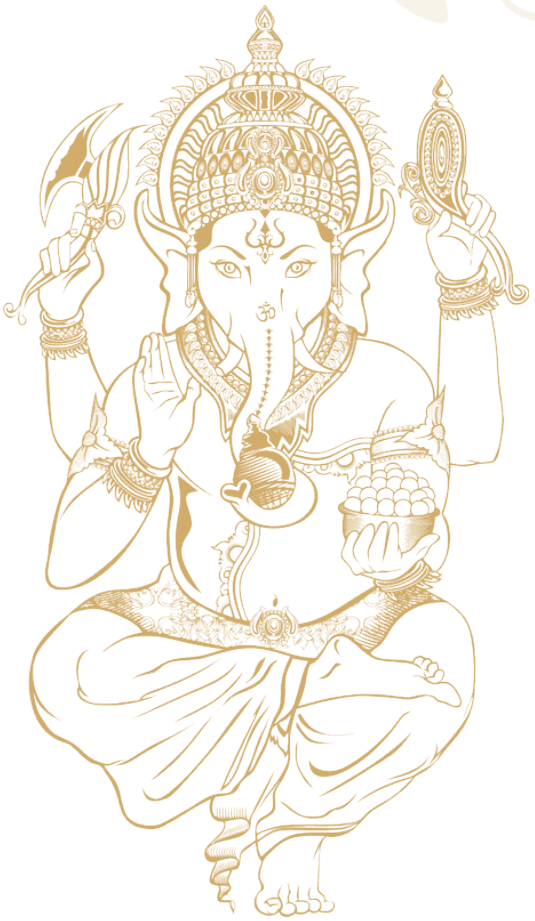

Yash

Yogita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120130803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/07/1998	जन्म तिथि	04/11/1997
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 15:29:00	जन्म समय	10:30:00 घंटे
घटी 24:46:54	जन्म समय(घटी)	09:43:50 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Alwar
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:14	सूर्योदय	06:36:28
19:22:33	सूर्यास्त	17:37:54
23:50:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:31

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 5मा 5दि		29:53:09	तुला	लग्न	धनु	08:01:15	केतु 5वर्ष 10मा 25दि	
शुक्र		21:15:51	मिथु	सूर्य	तुला	17:59:18	सूर्य	
11/12/2012		24:10:17	वृश्चि	चंद्र	धनु	02:05:29	30/09/2023	
11/12/2032		06:52:11	मिथु	मंगल	धनु	02:24:46	29/09/2029	
शुक्र	12/04/2016	15:48:29	कर्क	बुध	वृश्चि	00:53:17	सूर्य	17/01/2024
सूर्य	12/04/2017	04:02:28	मीन	गुरु	मक	19:27:09	चन्द्र	18/07/2024
चन्द्र	12/12/2018	21:30:46	वृष	शुक्र	धनु	05:00:05	मंगल	23/11/2024
मंगल	11/02/2020	08:29:07	मेष	शनि व	मीन	21:13:01	राहु	17/10/2025
राहु	11/02/2023	08:39:08	सिंह व	राहु व	सिंह	24:20:59	गुरु	06/08/2026
गुरु	12/10/2025	08:39:08	कुंभ व	केतु व	कुंभ	24:20:59	शनि	19/07/2027
शनि	11/12/2028	17:57:11	मक व	हर्ष	मक	11:05:39	बुध	24/05/2028
बुध	12/10/2031	07:22:31	मक व	नेप	मक	03:32:41	केतु	29/09/2028
केतु	11/12/2032	11:52:15	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	10:44:20	शुक्र	29/09/2029

लग्न-चलित

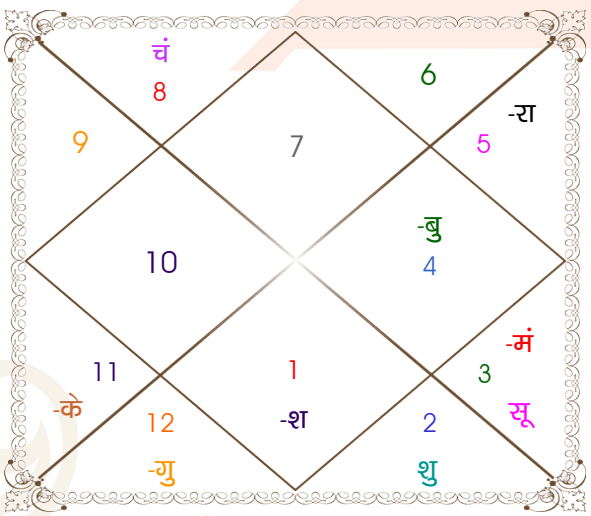

लग्न-चलित

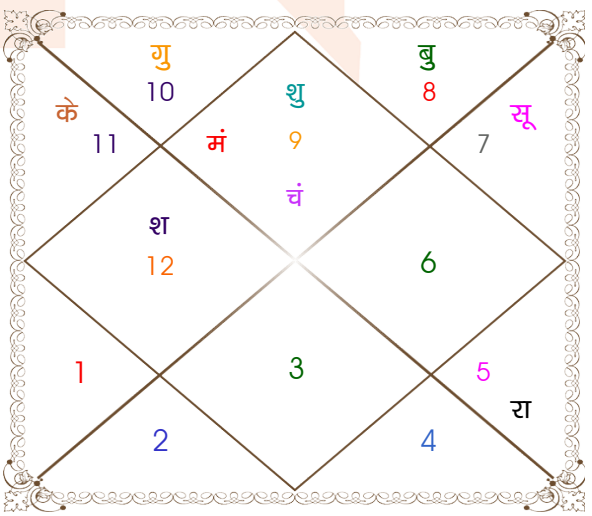

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	श्वान	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

लैे का वर्ग मृग है तथा ल्वहपजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लैे और ल्वहपजं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

लैे मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ल्वहपजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ल्वहपजं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु लैे कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

लैं तथा ल्वहपजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।